राज्य स्तरीय आकलन

FA	2

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : पाँचवी **विषय : पर्यावरण**

PAPER CODE: 5041 **पूर्णांक : 10**

निर्देश – खंड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खंड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खंड 'अ'

(अंक 05)

LO – E 503 - पेड़–पौधों, जिव–जंतुओं तथा मनुष्यों में परस्पर निर्भरता का वर्णन करते हैं।

गतिविधि 01

गतिविधि का नाम – बीजों का रंग एवं आकार

बच्चों से विभिन्न प्रकार के बीजों को एकत्रित करके लाने को कहें एवं पाँच बच्चों का समूह बनाकर प्रत्येक समूह से निम्नलिखित तालिका पूरा करने को कहें।

क्र.	बीज का नाम	रंग	आकार	ऊपरी सतह खुरदुरी या चिकनी
1				
2				
3				
4				
5				

शिक्षक बच्चों से बीज के नाम, रंग, आकार एवं ऊपरी सतह से संबंधित प्रश्न पूछें।

गतिविधि 02

गतिविधि का नाम – बीजों का फैलाव

तुमने कभी बीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान फैलते हुए देखा है? पाँच बच्चों का समूह बनाकर पाँच चिट दें। जिसमें प्रत्येक बच्चा बीज का नाम तथा फैलने के तरीके लिखे।

प्रत्येक समूह से निम्न तालिका में लिखवाएं–

क्र.	बीज का नाम	फैलने का तरीका
1		हवा
2		पानी
3		जानवर
4		गिरकर
5		पक्षियों

शिक्षक बच्चों से निम्न लिखित प्रश्न पूछें।

अ. हवा द्वारा बीज क्यों एक स्थान से दूसरे स्थान में जाते है ?

ब. बीज एक स्थान से दूसरे स्थान कैसे जाते है? जिसमें उनका अंकुरण हो सके।

स. जानवरों द्वारा बीज एक स्थान से दूसरे स्थान में कैसे जाते है ?

द. जमीन में गिरकर कौन से बीज का फैलाव होता है ?

ई. पक्षियों द्वारा कौन से बीज का फैलाव होता है ?

गतिविधि 03

गतिविधि का नाम – बीजों का अंकुरण

तुमने कभी बीजों से पौधा निकलते देखा है? इसे बीजों का अंकुरण कहते हैं। बीजों को अंकुरित करके देखें। अपने घर से दो–तीन तरह के बीज ढूंढकर लाओ जैसे गेहूँ, मूंग, मटर या कोई और बीज–

कोई 50 बीज तो और उन्हे गीले कपड़े में लपेट कर रखो। अब चार–पाँच दिन तक रोज कपड़े खोल कर बीजों को गिनों जो अंकुरित होगए है। गिनने के बाद बीजों को दोबारा गीले कपड़े में लपेट कर रख दो एवं इसे नीचे तालिका में लिखो।

अंकुरित बीजों की संख्या	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन
50				

शिक्षक बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

अ. तुमने जो बीज लिए थे क्या वे सभी अंकुरित हो गए ?

ब. प्रथम दिवस कितनी संख्या में बीज अंकुरित हुए ?

स. चौथे दिवस कितने प्रतिशत बीज अंकुरित हुए ?

द. अच्छा अंकुरण किसानों के लिए क्यों महत्वपूर्ण होता है ?

ई. क्या होगा जब किसानों के खेतों मे अंकुरण 70% से कम होगा ?

खंड 'ब'

(अंक 05)

LO – E 507 - वर्तमान तथा अतीत में हमारी आदतों, पद्धतियों, प्रथाओं, तकनीकों में आए अंतर का सिक्कों, पेंटिंग, स्मारक, संग्रहालय, के माध्यम से तथा बड़ों से बातचीत कर पता लगाते हैं (उदा. के लिए फसल उगाते, संरक्षण, उत्सव, वस्त्रों, वाहनों सामग्रियों या उपकरणों, व्यावसायों मकान तथा भवनों, भोजन बनाने, खाने तथा करने के संबंध में)

गतिविधि 04

गतिविधि का नाम – मिट्टी की परतें

सबसे पहले कांच के गिलास या प्लास्टिक की पारदर्शी गिलास में एक मुट्ठी मिट्टी डालो। अब गिलास को पानी से आधा भर लो। अब गिलास को तिनके से कई बार हिलाओ ताकि मिट्टी एवं पानी अच्छी तरह से मिल जाए। अब गिलास को कुछ देर के लिए सीधा रख दो और ध्यान से देखते रहो। 15 से 30 मिनट बाद नीचे से ऊपर तक मिट्टी की परतें देखो एवं इसका चित्र बनाओ।

गतिविधि 05

गतिविधि का नाम – मिट्टि के प्रकारों की पहचान

एक मुट्ठी मिट्टी लो इसमें से कंकड, पत्थर, घास निकाल कर फेंक दो। अब इसमें बूंद–बूंद कर पानी मिलाओ एवं आटा के समान गूंथो और मिट्टी का एक गोला बनाओ। एक बेलन बनाओ। एक रिंग बनाओ।

यदि मिट्टी के बेलन बन जाता है तो यह दोमट है। यदि बेलन नही गेंद बन जाते है तो यह रेतीली दोमट है। यदि गेंद भी नही बनती तो यह रेत है।

गतिविधि 06

गतिविधि का नाम – मिट्टी द्वारा पानी का अवशोषण

पाँच बच्चों का समूह बनाकर इस गतिविधि को करावें। बच्चों द्वारा विभिन्न स्त्रोतों से मिट्टी एकत्रित करवाएं एक प्लास्टिक की कीप लेकर चित्र के अनुसार उसमें छन्ना (फिल्टर पेपर) कागज रख दो। 50 ग्राम सूखी चूरा की हुई मिट्टी कीप में डालो और बूंद– बूंद कर पानी मिट्टी में डालो, ध्यान रहे कि सारा पानी एक जगह ना गिरे। पानी तब तक डालते रहो जब तक कि कीप के नीचे से पानी चुहने ना लगे।

इस प्रयोग को अलग अलग तरह की मिट्टियों के साथ करो और पता लगाओ कि कौन सी मिट्टी ज्यादा पानी सोखती है? (दोमट, रेतीली दोमट, रेत, काली मिट्टी)